AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

चुरचू ब्लॉक में जनजातियों के शैक्षिक विकास पर सामाजिक व आर्थिक प्रभाव

ORIGINAL ARTICLE

Authors

बन्धन उराँव,
शोधार्थी,
(UGC-NET), स्नातकोत्तर भूगोल विभाग,
विनोबा भावे विश्वविद्यालय,
हजारीबाग, झारखण्ड, भारत

डॉ. सरोज कुमार सिंह,
एसोसिएट प्रोफेसर
स्नातकोत्तर भूगोल विभाग
विनोबा भावे, विश्वविद्यालय
हजारीबाग, झारखण्ड, भारत

शोध सार

शिक्षा जन्म से लेकर मृत्युपर्यंत तक निरंतर चलने वाली एक गतिशील प्रक्रिया है। शिक्षा विकास का प्रथम एवं आधारभूत सोपान है। मनुष्य का संपूर्ण एवं सर्वांगीण विकास शिक्षा द्वारा ही संभव है। चुरचू ब्लॉक में निवास करने वाले प्रमुख जनजातियॉ संथाल, उराँव, मुंडा करमाली, बेदिया तथा बिरहोर है। उनके शैक्षिक विकास का सामाजिक व आर्थिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है क्योंकि इनके पास इतना पैसा नहीं है कि वे बच्चों को महंगे विद्यालय, महाविद्यालय में पढ़ा सके जिसके कारण से ये शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए है। वर्तमान समय में समय की मांग तथा वैश्वीकरण का ज्ञान तकनीकी, व्यवसायिक, कौशलात्मक तथा रोजगारपरक शिक्षा प्रदान कर जनजातीय समुदाय के अंदर खुशहाली लाई जा सकती है, क्योंकि शिक्षा सफलता की एक मात्र कुंजी है जिसके द्वारा भावी जीवन के सारे बंद दरवाजे खोले जा सकते हैं।

मुख्य शब्द

शिक्षा, आदिवासी/जनजाति, शैक्षिक संस्थान, शैक्षिक योजनाएँ, साक्षरता प्रतिशत, संभावनाएँ.

परिचय

शिक्षा किसी समाज में निरंतर चलने वाली सोदेश्य सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास हो सकता हैं व ज्ञान एवं कौशल वृद्धि व व्यवहार में परिवर्तन किया जा सकता है। इस प्रकार से व्यक्ति को सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जा सकता है। शिक्षा व्यक्ति और समाज के लिए सबसे बड़ा धन है जिसे बांटने से घटने के बजाय बढ़ता ही जाता है एवं सफलता की एक मात्र कुंजी है जिसके द्वारा भावी जीवन के सारे बंद दरवाजे खोले जा सकते हैं। चुरचू ब्लॉक अंतर्गत निवास करने वाली जनजातियों में संथाल, उराँव, मुण्डा, करमाली, बेदिया तथा बिरहोर है। जनगणना 2011 के अनुसार ब्लॉक की कुल जनसंख्या–53705 है जिसमें जनजातियों की कुल जनसंख्या 12952 है जो कुल जनसंख्या का 24.02% है। यहां कुल साक्षरता 57.54% (पुरुष 66.79% एवं स्त्री 47.87%) है जिसमें जनजातियों की साक्षरता दर 50.55% (पुरुष 59.50% एवं स्त्री 41.56%) है जो शैक्षिक मापदंड में देश, राज्य तथा जिले की तुलना में कम है। अनुसूचित जनजाति को कई नामों से जाना जाता है जैसे आदिवासी, वनवासी, मूलवासी, वन्यजाति, आदिमजाति, गिरिजन आदि। जनजाति एक ऐसा सामाजिक

समूह है जो एक निश्चित भू–भाग या क्षेत्र में निवास करते हैं जैसे–सुदूरवर्ती गांव एवं दुर्गम इलाके, जंगलों पहाड़ों (कंदराओं या गुफाओं) के मध्य प्रकृति की गोद में शांति पूर्वक रहना पसंद करते हैं जहाँ शुद्ध एवं शीतल जल कंद, मूल, फल, औषधि, जड़ी–बूटी मौसमी वनोत्पाद आसानी से मिल सके, जिससे इनका जीविकोपार्जन का कार्य हो सके। आदिवासियों का अपना अलग विशिष्ट पहचान है भाषा, बोली, खान–पान, वस्त्र, आभूषण, वंशज, पूजा पद्धति, देवी–देवता, पर्व–त्योहार, परंपराएँ, सभ्यता, संस्कृति, रीति–रिवाज, जन्म–विवाह एवं मृत्यु संस्कार आदि सब अलग है। आदिवासी सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से काफी समृद्ध है पर शैक्षिक एवं आर्थिक दृष्टि से काफी पिछड़े हुए हैं। शैक्षिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ने का प्रमुख कारण सुदूरवर्ती एवं दुर्गम क्षेत्र में निवास करना, सामान्य जातियों से अलग रहना आदि है। दुर्गम क्षेत्रों में निवास करने के कारण आवागमन का सुगम साधन का विकास हो नहीं पाया है। उचित मात्रा में शिक्षण संस्थानों का अभाव है, कृषि एवं आर्थिक क्रियाकलाप हेतु उचित भूमि (समतल एवं उपजाऊ) का अभाव है। सिंचाई सुविधा का अभाव है। यहाँ की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसूनी एवं उपोष्ण है जिसके कारण कृषि कार्य हेतु मानसून पर निर्भर रहना पड़ता है फिर भी कृषि विकास, परिवहन विकास, शैक्षिक विकास की कई संभावनाएं हैं। कहा भी जाता है कि जहाँ जितना अभाव होता है वहाँ उतना ही ज्यादा विकास की संभावनाएँ बनती है।

अध्ययन क्षेत्र

चुरचू ब्लॉक झारखंड राज्य के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल मुख्यालय हजारीबाग पठार के दक्षिण पूर्वी भाग में $23^{0}47'56''$ से $23^{0}56'52''$ उतरी अक्षांश तथा $85^{0}23'48''$ से $85^{0}36'21''$ पूर्वी देशांतर के मध्य 201.46 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।

चुरचू ब्लॉक हजारीबाग जिले के पांच प्रखंड 1. टाटीझरिया, 2. दारू, 3. सदर हजारीबाग, 4. बड़कागांव एवं डाड़ी प्रखंड तथा रामगढ़ जिले के एक प्रखंड मांडू और बोकारो जिले के एक प्रखंड गोमिया से घिरा है। चुरचू ब्लॉक में कुल 8 पंचायतें हैं। 1. चुरचू, 2. चनारो, 3. चरही, 4. इंदिरा, 5 जरबा, 6. हेन्देगढ़ा, 7. बहेरा, 8. आंगो।

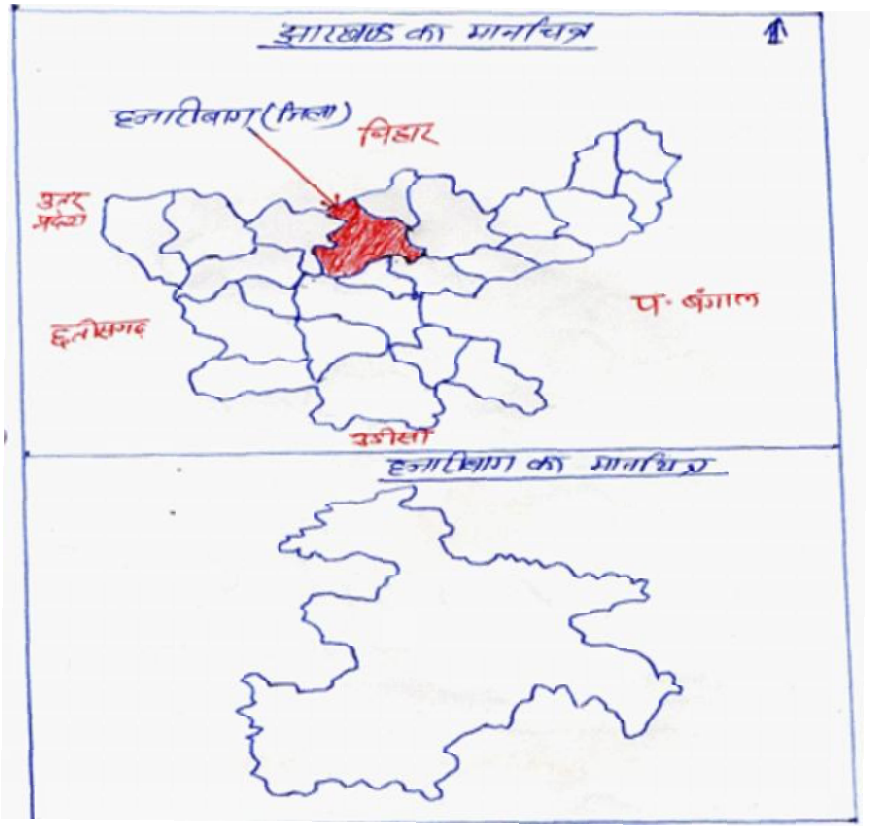

(स्त्रोतः Jharkhand Hazaribag. pn....... Commons.wikipedia.org)

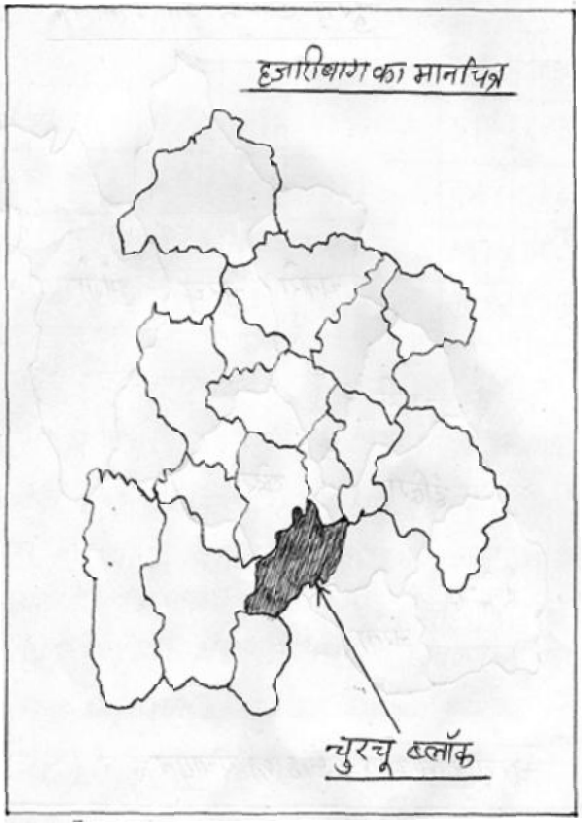

*(**स्त्रोतः** GIS 01 Jharkhan.gov.in)*

*(**स्त्रोतः** टोपोसीट संख्या–F45B5 & F45B9)*

यहाँ सरकारी तथा गैर सरकारी कई विद्यालय स्थापित है जो प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय, (मिडिल स्कूल) माध्यमिक विद्यालय तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय (+2 विद्यालय) संचालित है जिन्हें पंचायत स्तर पर पांच समुहों (Cluster) में बांटा गया है जो निम्नलिखित हैः

क्रम सं.	विद्यालय समूह	विद्यालयों की कुल संख्या
1	मध्य विद्यालय आंगो समूह (Cluster)	15
2	मध्य विद्यालय बहेरा समूह (Cluster)	19
3	मध्य विद्यालय चुरचू समह (Cluster)	35
4	मध्य विद्यालय चरही समूह (Cluster)	38
5	मध्य विद्यालय जरबा समूह (Cluster)	27
	कुल	**134**

*(**स्त्रोतः** https:/schools.org.in)*

चुरचू बलॉक के विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी (प्राईवेट) विद्यालयों की संख्याः

क्रम सं0	विद्यालयों का स्तर या प्रकार	सरकारी विद्यालयों की संख्या	गैर सरकारी विद्यालयों की संख्या	कुल संख्या
1	आंगनबाड़ी केन्द्र	30		30
2	प्राथमिक विद्यालय	43	06	49
3	मध्य विद्यालय	21	13	34
4	माध्यमिक विद्यालय	12	02	14
5	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (2)	02	01	03
6	कस्तुरबा गॉधी आवासीय बालिका उच्च विद्यालय	01	01	02
7	अन्य विद्यालय		02	02
	कुल	**109**	**25**	**134**

*(**स्त्रोतः** https:/schools.org.in /प्रखण्ड कार्यालय, चुरचू)*

देश, राज्य, जिला तथा ब्लॉक स्तर की कुल साक्षरता दर और पुरूष, स्त्री का साक्षरता दर, साथ ही जनजातियों को कुल साक्षरता दर एवं पुरूष, स्त्री का साक्षरता दरः

क्रम सं0	कुल साक्षरता साक्षरता	कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	स्त्री साक्षरता	जनजातियों की कुल साक्षरता	जनजातीय पुरूष साक्षरता	जनजातीय स्त्री साक्षरता
1	देश (भारत)	73.0%	80.90%	46.60%	59.00%	68.53%	49.35%
2	राज्य (झारखण्ड)	66.41%	76.80%	55.40%	54.00%	52.29%	47.71%
3	जिला (हजारीबाग)	69.75%	76.80%	55.40%	48.72%	56.77%	40.7%
4	प्रखण्ड (चुरचू)	57.54%	66.79%	47.87%	50.55%	59.50%	41.56%

इस प्रकार देखा जाए तो चुरचू ब्लॉक को मुख्य रूप से शैक्षिक दृष्टि से 5 समूहों (क्लस्टर) में बांटा गया है इसमें आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (2) विद्यालय कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका उच्च विद्यालय तथा अन्य शिक्षण, प्रशिक्षण विद्यालय संचालित है। यहाँ सरकारी तथा गैर सरकारी (प्राइवेट) मिलाकर लगभग 134 विद्यालय स्थापित है। इन सब को संचालन समूह के माध्यम से किया जाता है। यहाँ का शैक्षिक प्रतिशत दर जैसे–जैसे केंद्र, राज्य, जिला तथा प्रखंड स्तर पर पहुंचते जाते हैं वैसे–वैसे घटता जाता है। ठीक उसी प्रकार से प्राथमिक शिक्षा से माध्यमिक उच्चतर माध्यमिक, स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा की ओर बढ़ते हैं तो क्रमशः प्रतिशत घटता जाता है।

इसका प्रमुख कारण शैक्षिक संसाधनों का अभाव होना जागरूकता का अभाव तथा अन्य संसाधनों का अभाव है।

शोध उद्देश्य

1. चुरचू ब्लॉक अंतर्गत जनजातियों के शैक्षिक विकास पर सामाजिक–आर्थिक प्रभाव तथा वर्तमान में विकास के संभावनाओं का पता लगाना।
2. जनजातियों द्वारा शैक्षणिक कार्य एवं नए शैक्षिक योजनाओं, लाभों और संभावनाओं का पता लगाना।

शोध विधि एवं आँकड़ों का स्त्रोत

प्रस्तुत शोध पत्र के लिए संबंधित ब्लॉक का प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों का सहारा लिया गया है। प्रखंड कार्यालय से वेबसाइट के माध्यम से जनजातियों तथा सामान्य जातियों द्वारा शिक्षण संबंधी आँकड़ों को एकत्रित किया गया। शोध विधि के रूप से अवलोकन विधि, अनुसूची विधि एवं पूछताछ के आधार पर एवं विश्लेषणात्मक विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध लब्धि/प्राप्ति

चुरचू ब्लॉक अंतर्गत जनजातियों के शैक्षिक विकास पर सामाजिक तथा आर्थिक कारकों का प्रभाव बहुत ज्यादा पड़ा है। सामाजिक प्रभाव के अंतर्गत आदिवासी समाज आदिकाल से ही अपनी सभ्यता संस्कृति को बचाने के लिए संघर्षरत् है। ये प्रकृति प्रेमी होते हैं तथा प्रकृति के गोद में ही पलना, बढ़ना चाहते हैं। प्रकृति को ही पूजा करते हैं क्योंकि प्रकृति ही हमें सब कुछ देती है जैसेः शुद्ध हवा, शीतल जल, फूल, पत्ते, औषधि, (जड़ी–बूटी), वर्षा, मिट्टी तथा अन्य वस्तुएं प्रदान करती है। इनका अपना धर्म, भाषा, पोशाक, खान–पान, जन्म विवाह तथा मृत्यु संस्कार आदि सभी अन्य सामान्य समाजों से भिन्न होता है। गाँव के ही पाहन निःशुल्क पूजा पाठ करते हैं, दहेज प्रथा का अभाव पाया जाता है। इस प्रकार से इनका सामाजिक तथा सांस्कृतिक जड़ें काफी मजबूत है, किंतु शैक्षिक रूप से पिछड़े हैं जिसका प्रमुख कारण जागरूकता का अभाव, उचित शिक्षा का अभाव, भाषा संप्रेषण की समस्याएं, अलग सभ्यता, संस्कृति एवं परंपराएँ आत्मविश्वास की कमी (डर–भय) प्रोत्साहन का अभाव, निवास स्थान का शहरों से दूर जंगलों, पहाड़ों, गुफाओं, कन्दराओं एवं सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में होना जहाँ आवागमन का सुगम साधन तथा स्कूल कॉलेजों का अभाव होता है, इन्ही कारणों से आदिवासी समाज शैक्षिक रूप से पिछड़ता चला जाता है।

आर्थिक कारकों के अंतर्गत देखा जाए तो यह अपना जीविकोपार्जन का कार्य कृषि कार्य द्वारा जो भी थोड़ा बहुत फसल उत्पादन होता है उसी से जीवन बसर करते हैं। इसके अलावे मुर्गी, बत्तख, सुअर, बकरी, गाय, भैंस आदि का पालन करते हैं लाख (लाह) मधुमक्खी पालन करते हैं। साथ ही जंगलों से फूल, फल, पत्ता औषधि, (जड़ी–बूटी) तथा मौसमी जंगली उत्पादों पर निर्भर रहते हैं। अतः आदिवासी लोग आर्थिक रूप से मजबूत नहीं होते उसके कारण वे अपने बच्चे को अच्छे स्कूल कॉलेजों में नहीं पढ़ा पाते हैं और वह अर्थाभाव के कारण शैक्षिक रूप से पीछे रह जाते हैं।

जनगणना 2011 के अनुसार चुरचू ब्लॉक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों की कुल साक्षरता दर साथ ही शहरी एवं ग्रामीण साक्षरता दरः

क्रम सं0	जाति	कुल सारक्षरता	ग्रामीण साक्षरता दर	शहरी साक्षरता दर
		69.79%	65.71%	82.82%
1	अनुसूचित जाति (SC)	14.50%	12.60%	14.80%
2	अनुसूचित जनजाति (ST)	24.10%	15.00%	25.40%

चुरचू ब्लॉक में गाँव/टोला/पंचायतवार कुल जनसंख्या तथा साक्षर दर (%) में।

क्र० सं०	पंचायत का नाम	गाँव/टोला का नाम	कुल जनसंख्या	साक्षरता दर (%) में
1	चुरचू	1 खुरनडीह	1154	53.60%
		2 जमडीहा	1066	54.94%
		3 नगड़ी	699	53.89%
		4 चुरचू	1279	75.45%
		5 टसनालो	394	61.74%
		6 लारा	708	74.75%
		7 डुमर	433	76.05%
		8 बाली	990	58.82%
		9 जोरदाग	421	72.32%
		10 बोदरा	742	65.24%
		11 लासोथ	617	55.66%
		12 करगी	208	69.52%
2	आंगो	1 धमनसरिया	457	49.46%
		2 सनरी	144	69.29%
		3 गोंडवार	670	55.24%
		4 लोठे	366	64.73%
		5 पोटमो	220	74.27%
		6 रहमदगा	99	50%
		7 ओरेया	1241	60.9%
		8 सरियो	438	53.97%
		9 आंगो	1805	60.27%
		10 बुजुर्गनानो	819	60.06%

3	चनारो	1 बेलगढा	325	46.74%
		2 चिचिखुर्द	507	59.06%
		3 चिचिकला	1537	66.26%
		4 चनारो	2032	61.94%
4	इंदरा	1 बॉसाडीह	2727	66.65%
		2 इंदरा	3519	69.98%
5	चरही	1 चरही	6842	82.82%
		2 सड़वाहा	2423	63.36%
6	बहेरा	1 फुसरी	1196	54.01%
		2 बहेरा	2884	79.04%
		3 कजरी	2462	69.62%
		4 पिपरा	1156	71.87%
7	हेन्देगढा	1 कारूखाप	1738	68.84%
		2 हेन्देगढा	1940	63.3%
		3 बॉदा	458	61.18%
		4 हरहद	1902	72.61%
8	जरबा	1 दासोखाप	1354	65.56%
		2 मुकरू	634	72.66%
		3 जरबा	3046	66.77%

चुरचू ब्लॉक में शिक्षा के विभिन्न स्तर पर पुरूष एवं स्त्री का शैक्षिक स्तर

क्रम सं०	विभिन्न शैक्षिक स्तर	पुरूष वर्ग का साक्षरता	स्त्री वर्ग का साक्षरता
1	मैट्रिक स्तर	15.38%	12.90%
2	इंटरमिडिएट स्तर	8.72%	3.40%
3	स्नातक स्तर	1.54%	1.37%
4	स्नातकोत्तर स्तर	1.10%	0.78%
5	तकनीकी स्तर	0.64%	0.15%
6	व्यवसायिक स्तर	0.39%	0.18%

इस प्रकार विभिन्न स्तरों पर शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन करने पर पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों तथा शहरी क्षेत्रों का शैक्षिक स्तर में भिन्नता पाई जाती है। सामान्य जातियों की तुलना में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति में शिक्षा का स्तर कम है वहीं पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं का शैक्षिक स्तर निम्न है। साथ ही निम्न कक्षाओं से ज्यों–ज्यों उपरी कक्षाओं में जाते हैं शिक्षा का दर घटता जाता है। यह पंचायत (गाँव/टोला) प्रखंड जिला आदि में भी देखने को मिलता है। यहाँ शिक्षा के विकास के लिए काफी संभावनाएं हैं इसके लिए संसाधनों का व्यवस्था करना होगा तथा शिक्षण संस्थानों में आधुनिक तथा तकनीकी शिक्षण विधियों के साथ–साथ व्यवसायिक तथा रोजगारपरक शिक्षा की व्यवस्था करने की आवश्यकता है ताकि प्रत्येक गरीब असहाय बच्चों को उचित शिक्षा मिल सके और वे शैक्षिक रूप से मजबूत हो सके। यदि आदिवासी शैक्षिक रूप से मजबूत होंगे तो अपने आप आर्थिक तथा सामाजिक रुप से संपन्न हो जाएंगे।

विवेचना

चुरचू ब्लॉक अंतर्गत निवास करने वाले जनजातियों/आदिवासी के शैक्षिक विकास के साथ सामाजिक तथा आर्थिक विकास की संभावनाओं का विस्तार पूर्वक अध्ययन करने पर पता चलता है कि पूरे चुरचू ब्लॉक में भौगोलिक

असमानता के साथ–साथ सामाजिक–आर्थिक तथा शैक्षिक असमानता भी है फिर भी जीवन स्तर को शैक्षिक रूप से ऊपर उठाने हेतु सामान्य शिक्षण के साथ–साथ तकनीकी शिक्षा व्यवसायिक शिक्षा, कौशलपूर्ण शिक्षा एवं रोजगारपरक शिक्षा की आवश्यकता है जिसे सरकारी, गैर सरकारी शैक्षिक योजनाएं एन.जी.ओ. स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा सहयोग प्राप्त कर शैक्षिक प्रतिशत के दर को बढ़ाया जा सकता है। यदि सरकार वास्तव में जनजातियों का शैक्षिक उत्थान चाहती है तो शिक्षण संस्थानों का स्थापना कर क्षेत्रीय तथा जनजातीय भाषा शिक्षकों की नियुक्ति जनजातीय बहुल क्षेत्रों में करें जिससे छात्र–छात्राओं को अपनी भाषाओं में शिक्षा ग्रहण करने में सुविधा होगी और वे समय का सदुपयोग करते हुए निरंतर आगे की ओर बढ़ेंगे, साथ ही उच्च से उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन स्तर में सुधार लाकर खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

सरकार द्वारा अनुसूचित जनजातियों/आदिवासियों (ST) के शैक्षिक विकास हेतु चलाई जाने वाली योजनाएँः

1. निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था।
2. भोजन तथा पोषाक की व्यवस्था।
3. बालक एवं बालिकाओं के लिए निःशुल्क छात्रावास।
4. शिक्षण सामग्री (पुस्तक, कॉपी, पेंसिल आदि)
5. नामांकन शुल्क, शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क में कमी।
6. छात्रवृत्ति की व्यवस्था मैट्रिक से पहले तथा बाद में (प्री मैट्रिक तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति)
7. आश्रम विद्यालयों की स्थापना।
8. आवासीय विद्यालयों की स्थापना।
9. एकलव्य एवं आदर्श विद्यालय की स्थापना
10. शैक्षिक ऋण की व्यवस्था।
11. जनजातीय तथा क्षेत्रीय भाषा के शिक्षक तथा शिक्षण की व्यवस्था।
12. कोचिंग और अध्ययन केंद्रों की स्थापना।
13. मेडिकल और इंजीनियरिंग की निःशुल्क तैयारी।
14. उच्च एवं उच्चतर शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता (विदेशों में जाकर शोध कार्य एवं उचित शिक्षा हेतु)
15. शिक्षा से संबंधित अन्य कई योजनाएं राज्य सरकार केंद्र सरकार द्वारा संचालित है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषणों से ज्ञात होता है कि चुरचू ब्लॉक अंतर्गत निवास करने वाले आदिवासी/जनजातियों के शैक्षिक विकास पर सामाजिक और आर्थिक कारकों का प्रभाव निःसंदेह पड़ा है किंतु इसमें विकास की संभावनाएँ काफी है क्योंकि "जहाँ जितना ही अधिक अभाव होता है वहाँ उतना ही ज्यादा विकास की संभावनाएँ बनती है" इसके लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार, जिला प्रशासन एवं प्रखंड के प्रशासकों का इच्छाशक्ति का होना अति आवश्यक है जिसे सरकारी, गैर सरकारी एन.जी.ओ. स्वयंसेवी संस्थाएँ तथा निजी संस्थाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के शैक्षिक संरक्षण एवं संवर्धन कर शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा कर शोषण, अंधविश्वासी तथा रूढ़िवादिता से निजात दिला कर अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक कर एवं विभिन्न शैक्षिक योजनाओं का लाभ देकर सामाजिक और आर्थिक रूप से आदिवासी समुदाय को समृद्ध बनाया जा सकता है।

अतः उपरोक्त विश्लेषणों से ज्ञात होता है कि शैक्षणिक विकास की निम्न संभावनाएं भी मौजूद हैः

1. शैक्षिक संस्थानों की स्थापना कर।
2. क्षेत्रीय तथा जनजातीय भाषा में शिक्षा प्रदान कर।

3. क्षेत्रीय तथा जनजातीय भाषा शिक्षकों की नियुक्ति कर।
4. सामान्य शिक्षा के अलावा तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा तथा रोजगार परक शिक्षा प्रदान कर।
5. कुटीर तथा हस्तकरघा उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान कर आर्थिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है।
6. शैक्षिक संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए छात्र शिक्षक का सही अनुपात में होना सभी शिक्षण सहायक सामग्री की उपलब्धता तथा उपयोगिता होनी चाहिए।
7. छात्र–छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति तथा अन्य सुविधाओं को बढ़ाकर।
8. सभी जर्जर बंद पड़े शैक्षिक संस्थानों को पुनः चालु कर।
9. यातायात के सुगम साधनों का विकास कर।
10. शिक्षा के प्रति जागरूकता तथा प्रोत्साहित कर शैक्षिक स्तर को बढ़ाया जा सकता है।
11. सामाजिक रुप से विकसित एवं आर्थिक रुप से सक्षम बनाकर।

संदर्भ सूची

1. वर्मा, उमेश कुमार (2009) *झारखंड का जनजातीय समाज,* सुबोध ग्रंथ माला, पुस्तक पथ रॉची।
2. सिंह, सुनील कुमार (2014) इनसाइड झारखंड में जनजातियों से संबंधित सहित्य।
3. श्यामलाल (1987), एजुकेशन एमन्ग ट्राईबल।
4. घाटे एस सच्चा (1998) जनजातियों पर जंगल नीति के आर्थिक प्रभाव का निरीक्षण।
5. नाहित इरफान (2016) *जनजातीय समाज एवं संस्कृति,* जानकी प्रकाशन नई दिल्ली,
6. मदान, पुनम यादव सियाराम (2016) P45 ज्ञान एवं पाठ्यक्रम।
7. पाल, हंसराज (2004) *शैक्षिक शोध,* प्रथम संस्करण मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
8. अल में दासवानी सीजे (1995) आदिवासी बच्चों की शैक्षिक समस्याएं, डी.पी.ई.पी. 190–222 पर भारतीय शिक्षा की समीक्षा।
9. देवी, राजपति (1985) अनुसूचित जाति बच्चों की प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में बाधाओं पी.एच.डी. थीसस शिक्षा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस
10. https://schools.org.in या प्रखण्ड कार्यालय चुरचू
11. Jharkhand Hazaribagh.pm———————— commons. Wikipedia. org
12. GIS 01 Jharkhand. Gov.in

––==00==––